SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

वट वृक्ष

क्षेत्रीय क्षमता निर्माण एवं ज्ञान संस्थान,कोलकाता

समाचार-पत्र, -अप्रैल-जून 2025

महानिदेशक की कलम से

प्रिय पाठक,

मुझे वित्तीय वर्ष 2025-26 के समाचार-पत्र "वट वृक्ष" के पहली तिमाही के समाचार-पत्र प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता हो रही हैं। इस अंक के मुखपृष्ठ पर कोलकाता के ऐतिहासिक जोड़ासाँको ठाकुरबाड़ी को दर्शाया गया है, जो शहर के समृद्ध साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत का प्रमाण है।

कोलकाता के उत्तरी हिस्से में स्थित जोरासांको ठाकुरबाड़ी टैगोर परिवार का पैतृक निवास है। यह भव्य महल कोलकाता की सबसे सुंदर धरोहर इमारतों में से एक है। यही वह स्थान है जहाँ महान कवि रवीन्द्रनाथ टैगोर का जन्म हुआ था और उन्होंने अपना बचपन तथा बाद का जीवन यहीं बिताया। ठाकुरबाड़ी बंगाल कला विद्यालय के संस्थापकों, गगनेंद्रनाथ और अवनींद्रनाथ टैगोर का भी निवास स्थान रहा था। वर्तमान में जोरासांको ठाकुरबाड़ी को रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय में परिवर्तित कर दिया गया है, जो भारतीय शास्त्रीय ललित कलाओं और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का एक प्रमुख केंद्र है।

इस तिमाही के दौरान, हमने पर्यवेक्षकों तथा डीआरएएओ/डीपीएएओ के लिए अभिविन्यास प्रशिक्षण के साथ-साथ जीएसटी ऑडिट, एमसीटीपी लेवल-2 और एमसीटीपी लेवल-3 पर प्रशिक्षण कार्यक्रम; टैली, आईटी ऑडिट (सिद्धांत और अभ्यास) के साथ-साथ विभिन्न सामान्य और आईटी प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किए।

इस समाचार पत्र के माध्यम से हम अपने पाठकों को क्षे.क्ष.नि.व.ज्ञा.सं, कोलकाता के प्रदर्शन और उपलब्धियों के बारे में जानकारी प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्रशिक्षण सामग्री और प्रशिक्षण कार्यक्रमों को बेहतर बनाने हेतु आपका सहयोग आवश्यक है। प्रशिक्षण सामग्री में सुधार/संशोधन हेतु हम आपके विचारों एवं सुझावों का स्वागत करते हैं।आप rtikolkata@cag.gov.in साइट के जरिए हमसे जुड़ सकते हैं।

मनीष कुमार
महानिदेशक
क्षे.क्ष.नि.व.ज्ञा.सं, कोलकाता

विषय-सूची

क्रम सं.	विवरण	पृष्ठ
1.	क्षेत्रीय सलाहकार समिति की बैठक	4
2.	रवींद्र जयंती समारोह	6
3.	हिंदी कार्यशाला	8
4.	एमसीटीपी लेवल-3 और एमसीटीपी लेवल-2	9
5.	जीएसटी ऑडिट	12
6.	पर्यवेक्षकों और डीआरएएओ/डीपीएएओ के लिए अभिविन्यास प्रशिक्षण	13
7.	आईटी सिद्धांत और अभ्यास प्रशिक्षण	19
8.	टैली ऑडिटर संस्करण पर प्रशिक्षण	20
9.	तिमाही के दौरान आयोजित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	22
10.	इन-हाउस प्रशिक्षण/बैठकों के संचालन के लिए उपयोगकर्ता कार्यालयों को बुनियादी ढ़ाचा उपलब्ध कराया गया।	23
11.	एस.टी.एम/केस स्टडीज/शोध पत्र और अन्य संबद्ध गतिविधियाँ	23
12.	उपयोगकर्ता कार्यालयों तथा भा.ले.व.ले.वि. के बाह्य कार्यालयों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।	24
13.	संकाय सदस्य (भा.ले.व.ले.वि के अंतर्गत)	25
14.	फ्रीलांस/विशेषज्ञ संकाय सदस्य	27
15.	विशेषज्ञ/पेशेवर संकाय सदस्य (भा.ले.व.ले.वि. से बाह्य)	28
16.	इन-हाउस संकाय सदस्य	29
17.	प्रश्नोत्तरी	30
18.	प्रश्नोत्तरी के उत्तर	31

क्षेत्रीय सलाहकार समिति की बैठक

वार्षिक क्षेत्रीय सलाहकार समिति की बैठक 30 मई 2025 को क्षेत्रीय क्षमता निर्माण एवं ज्ञान संस्थान, कोलकाता में आयोजित की गई, जिसमें महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। इस बैठक की अध्यक्षता कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (खान), कोलकाता की एडीएआई (ADAI), सुश्री यशोधरा रे चौधरी ने की।

महानिदेशक, आरसीबीएंडकेआई, कोलकाता ने कार्यसूची पर चर्चा प्रारंभ करने से पूर्व अध्यक्ष तथा सभी आरएसी सदस्यों का हार्दिक स्वागत किया। प्रमुख बिंदुओं में लंबित ऑनलाइन इम्पैक्ट असेसमेंट, प्रशिक्षण कार्यक्रमों में स्लॉट उपयोग तथा संकाय सदस्यों के रूप में कार्यरत आईएएंडएएस अधिकारियों के उल्लेखनीय योगदान को शामिल किया।

आगामी प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर विचार-विमर्श के दौरान, आरएसी सदस्यों ने भविष्य के विषयों के लिए बहुमूल्य सुझाव दिए, जिनमें 'विद्युत क्षेत्र के ऑडिट,' 'डाटा सुरक्षा,' और 'जीआईएस उपकरणों के उपयोग' पर प्रशिक्षण शामिल था। उन्होंने इन विषयों की प्रासंगिकता और संभावित प्रभाव पर विशेष विचार-विमर्श किया।

आरएसी बैठक के दौरान बैठक की अध्यक्षा सुश्री यशोधरा राय चौधरी, एडीएआई आरसीबीएंडकेआई के महानिदेशक श्री उदय शंकर प्रसाद, विभागाध्यक्ष, समूह अधिकारियों और आरसीबीएंडकेआई के अधिकारियों के साथ

बैठक के अध्यक्ष, आरसीबीएंडकेआई के महानिदेशक, विभागाध्यक्ष, समूह अधिकारी और आरसीबीएंडकेआई के अधिकारियों ने आरएसी बैठक के बाद आरसीबीएंडकेआई पुस्तकालय का दौरा किया।

बैठक के अध्यक्ष, आरसीबीएंडकेआई के महानिदेशक, विभागाध्यक्ष, समूह अधिकारी और वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी समूह फोटो के दौरान।

रवींद्र जयंती समारोह

रवीन्द्र जयंती महान कवि, दार्शनिक और नोबेल पुरस्कार विजेता रवीन्द्रनाथ टैगोर की जयंती के उपलक्ष्य में मनाई जाती है। टैगोर साहित्य में नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने वाले पहले गैर-यूरोपीय थे, जिन्हें वर्ष 1913 में उनकी प्रसिद्ध कविता-संग्रह "गीतांजलि" के लिए यह सम्मान प्रदान किया गया था। यह जयंती बंगाली पंचांग के वैशाख महीने की 25वीं तिथि को मनाई जाती है, जो इस वर्ष ग्रेगोरियन कैलेंडर के अनुसार 9 मई को है।

यह सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण आयोजन कोलकाता और पूरे पश्चिम बंगाल में विशेष महत्व रखता है, जहाँ टैगोर की विरासत आज भी लाखों लोगों को प्रेरित करती है। इस वर्ष संस्थान ने हर्षोल्लास के साथ रवीन्द्र जयंती मनाई। इस अवसर पर अभिविन्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों तथा संस्थान के कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस समारोह में आरसीबीकेआई के अधिकारियों और प्रतिभागियों द्वारा कविता-पाठ और कहानी-वाचन सत्रों का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त, अधिकारियों ने रवीन्द्रनाथ टैगोर के जीवन और उनके अविस्मरणीय योगदान पर ज्ञानवर्धक विचार साझा किए, जिससे सभी के मन में इस महान साहित्यिक व्यक्तित्व के प्रति गहन सराहना और सम्मान उत्पन्न हुआ।

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA

रवींद्र जयंती समारोह के दौरान महानिदेशक के निजी सचिव श्री तापस कुमार मुखोपाध्याय।

रवींद्र जयंती समारोह के अवसर पर आरसीबीएंडकेआई, कोलकाता के प्रतिभागी और अधिकारी।

समारोह के क्षण: अधिकारियों और प्रतिभागियों द्वारा कविता पाठ और कहानी-वाचन।

हिंदी कार्यशाला

आरसीबीएंडकेआई, कोलकाता में 24 जून 2025 को एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें एक वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी तथा तीन सहायक लेखापरीक्षा अधिकारियों ने भाग लिया। इस कार्यशाला के दौरान श्री लखन कुमार सिंह, सहायक निदेशक (राजभाषा), उप निदेशक कार्यालय, पूर्व क्षेत्र, हिंदी शिक्षण संस्थान, राजभाषा विभाग, कोलकाता ने अपने विचार साझा किए।

श्री लखन कुमार सिंह ने प्रतिभागियों को राजभाषा नीति, अधिनियम और नियमों के बारे में जानकारी प्रदान की तथा हिन्दी टिप्पण और प्रारूपण कौशल पर बहुमूल्य प्रशिक्षण भी प्रदान किया।

इस पहल का उद्देश्य प्रतिभागियों को सरकारी कामकाज के लिए हिंदी भाषा में दक्षता और कार्यकुशलता को बढ़ाना था।

श्री लखन कुमार सिंह, सहायक निदेशक (राजभाषा), आरसीबीएंडकेआई, कोलकाता में प्रतिभागियों के साथ कार्यशाला सत्र के दौरान।

एमसीटीपी लेवल-3 और एमसीटीपी लेवल-2

विभाग में एक निश्चित अवधि तक सेवा प्रदान करने वाले वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारियों और सहायक लेखापरीक्षा अधिकारियों के लिए मध्य-कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रम वर्ष 2021 से शुरू हुआ। विभाग के अधिकारियों में व्यावसायिकता, निष्पक्षता और दक्षता विकसित करने के उद्देश्य से, संस्थान ने 26 से 30 मई 2025 तक एमसीटीपी लेवल-2 तथा 9 से 13 जून 2025 तक एमसीटीपी लेवल-3 का आयोजन किया।

प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रतिभागियों को आवश्यक कौशल और ज्ञान से सशक्त बनाना था, जिसमें हितधारकों के साथ संचार रणनीति, आंतरिक नियंत्रण, धोखाधड़ी का पता लगाना, ई-गवर्नेंस के गुण, जोखिम प्रबंधन एवं अनुपालन, टीम-निर्माण, तनाव प्रबंधन, नैतिकता, आईटी वातावरण में ऑडिटिंग, तथा वैश्विक पर्यावरणीय संकट पर दृष्टिकोण आदि विषय शामिल थे।

अनुभवात्मक अधिगम घटक के अंतर्गत, एमसीटीपी लेवल-2 के प्रतिभागियों ने भारतीय रिज़र्व बैंक संग्रहालय का दौरा किया, जबकि एमसीटीपी लेवल-3 के प्रतिभागियों ने कोलकाता पुलिस संग्रहालय का दौरा किया। प्रतिभागियों ने सभी सत्रों और गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया, जिससे उनके समग्र अधिगम अनुभव में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई। दोनों कार्यक्रमों को अच्छी प्रतिक्रिया मिली, जिसमें लेवल-2 और लेवल-3 को क्रमशः 9.22 और 9.41 के प्रभावशाली अंक प्राप्त हुए।

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

श्री अनिंद्य दासगुप्ता, महालेखाकार, एमसीटीपी लेवल-3 के प्रतिभागियों के साथ।

सुश्री दीपा मित्रा एमसीटीपी लेवल-3 के प्रतिभागियों के साथ।

श्री अरिजीत चक्रवर्ती, चार्टर्ड अकाउंटेंट, एमसीटीपी लेवल-3 के सत्र के दौरान।

एमसीटीपी लेवल-3 प्रशिक्षण सत्र के दौरान रामकृष्ण मिशन से श्री स्वामी वेदतीतानंद।

एमसीटीपी लेवल-2 प्रशिक्षण सत्र के दौरान श्री उज्जल बोस, संकाय सदस्य।

एमसीटीपी लेवल-2 प्रशिक्षण सत्र के दौरान लेफ्टिनेंट कर्नल विपुल शर्मा भारतीय सेना

UDIT INSTITUTION
लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा

एमसीटीपी लेवल-3 प्रशिक्षण सत्र के दौरान कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा, पूर्व रेलवे, कोलकाता से श्री मोहम्मद सुहैल फजल, उप निदेशक।

जीएसटी ऑडिट

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) का ऑडिट एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, जो सरकार द्वारा स्थापित जीएसटी कानूनों और विनियमों के अनुपालन को सुनिश्चित करता है। जीएसटी ऑडिट के अंतर्गत करदाता की लेखा पुस्तकों, रिटर्न तथा अन्य संबंधित दस्तावेजों की गहन जाँच की जाती है, ताकि यह सत्यापित किया जा सके कि कर देयता का सही-सही आकलन किया गया है और उसे विधिवत रूप से जमा किया गया है।

इस पाठ्यक्रम को जीएसटी और उसके ऑडिट के क्षेत्र की व्यापक जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से तैयार किया गया था। पाठ्यक्रम में शामिल विषयों में जीएसटी का अवलोकन, कर का भुगतान, जीएसटी अधिनियम के अंतर्गत छूट, रिफंड, मांग और वसूली, ऑनलाइन जीएसटी ऑडिट प्रक्रियाएँ, रिटर्न दाखिल करना तथा संबंधित केस स्टडीज शामिल थे। प्रतिभागियों ने सभी सत्रों में सक्रिय रूप से भाग लिया और पाठ्यक्रम को 9.19 की उत्कृष्ट रेटिंग प्राप्त हुई।

श्री ईशान तुलस्यान, चार्टर्ड अकाउंटेंट (आईसीएआई), एमसीटीपी लेवल-3 के प्रशिक्षण सत्र के दौरान।

एमसीटीपी लेवल-3 प्रशिक्षण सत्र के दौरान भारतीय कंपनी सचिव संस्थान (आईसीएसआई) की वरिष्ठ प्रबंधक सुश्री दीक्षिता भोडिया।

पर्यवेक्षकों और डीआरएएओ/डीपीएएओ के लिए अभिविन्यास प्रशिक्षण

क्षेत्रीय क्षमता निर्माण एवं ज्ञान संस्थान ने 7 अप्रैल से 22 मई 2025 तक डीआरएएओ/डीपीएएओ एवं उपयोगकर्ता कार्यालयों के पर्यवेक्षकों के लिए एक व्यापक अभिविन्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें कुल 31 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में विभाग की संरचना, प्रमुख नियम एवं विनियम तथा आवश्यक ऑडिट प्रक्रियाओं का अवलोकन प्रदान किया गया। इसमें विभाग के अंतर्गत कैरियर प्रगति पर भी ध्यान दिया गया और प्रतिभागियों की टिप्पणी एवं प्रारूपण संबंधी कौशलों को सुदृढ़ किया गया। प्रतिभागियों को कंप्यूटर सहायतित ऑडिट तकनीकों से परिचित कराया गया तथा आईटी ऑडिट पद्धतियों से संबंधित विभिन्न आईटी सॉफ्टवेयर उपकरणों पर व्यवहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया।

लेखापरीक्षित संस्थाओं के साथ संवाद में सुधार हेतु व्यक्तित्व विकास और संचार कौशल पर विशेष ध्यान दिया गया। पाठ्यक्रम में उत्साह, समय एवं तनाव प्रबंधन, कर कानून, एमएस एक्सेल की उन्नत विशेषताएँ तथा हिंदी (राजभाषा) सहित विविध विषयों को सम्मिलित किया गया। सत्रों में संघ और राज्य बजट से संबंधित संवैधानिक प्रावधानों, सीएजी की आचार संहिता के अनुपालन, आरटीआई अनुरोधों के निपटान तथा जेंडर सेंसिटाइजेशन पर भी चर्चा की गई।

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA

आत्मविश्वास और सार्वजनिक भाषण कौशल विकसित करने के उद्देश्य से प्रतिभागियों को व्यक्तिगत तथा समूह प्रस्तुतिया हेतु प्रोत्साहित किया गया। अनुभवात्मक अधिगम के हिस्से के रूप में उन्होंने भारतीय संग्रहालय, कोलकाता का भ्रमण किया, जहाँ संग्रहालय प्राधिकरण ने उन्हें मार्गदर्शित परिभ्रमण उपलब्ध कराया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम को प्रतिभागियों द्वारा अच्छी प्रतिक्रिया मिली और इसे औसतन 9.19 की प्रभावशाली फीडबैक रेटिंग प्राप्त हुई।

उद्घाटन सत्र के दौरान प्रतिभागियों के साथ श्री दीपक कुमार सिंह, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी और श्री राजीव कुमार साहु, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी।

अभिविन्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों के साथ-साथ आरसीबीएंडकेआई, कोलकाता के मुख्य संकाय सदस्य श्री उज्जल बोस, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, श्री दीपक कुमार सिंह, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, सुश्री पारिजात सैकिया, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी, श्री अरिजीत बागची, वरिष्ठ लेखापरीक्षक।

श्री दीपक कुमार सिंह, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, भारतीय संग्रहालय, कोलकाता के प्रतिनिधि को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए।

आरसीबीएंडकेआई, कोलकाता के प्रतिभागी और अधिकारी भारतीय संग्रहालय के भ्रमण के दौरान।

सुश्री दीपा मित्रा, एसोसिएट प्रोफेसर, आईआईएसडब्ल्यूबीएम, अभिविन्यास प्रशिक्षण के प्रतिभागियों के साथ।

सुश्री तरनजीत कौर चौहान, इमेज कंसल्टेंट, अभिविन्यास प्रशिक्षण के अपने सत्र के दौरान।

चार्टर्ड अकाउंटेंट सुश्री रितुंशा लालवानी, अभिविन्यास प्रशिक्षण के अपने सत्र के दौरान।

अभिविन्यास प्रशिक्षण सत्र के दौरान श्री देवब्रत सेनगुप्ता, उप महाप्रबंधक, आरबीआई।

अभिविन्यास प्रशिक्षण सत्र के दौरान श्री देवर्षि भुवलका, चार्टर्ड अकाउंटेंट।

अभिविन्यास प्रशिक्षण के अपने सत्र के दौरान श्री गौरव कुमार ओमी, मुख्य संकाय सदस्य, आरसीबीएंकेआई, नागपुर।

श्री सुब्रतो बनर्जी, व.ले.प.अ., आईएनजीएएफ, कोलकाता अभिविन्यास प्रशिक्षण सत्र के दौरान।

श्री आनंद जेजेएस, व.ले.प.अ और संकाय सदस्य, आरसीबीएंडकेसी, बेंगलुरु, अपने सत्र के दौरान।

सुश्री पापिया उपाध्याय, सहायक प्रोफेसर, एनएसओयू, कोलकाता अभिविन्यास प्रशिक्षण के अपने सत्र के दौरान।

सुश्री पारिजात सैकिया, संकाय सदस्य, आरसीबीएंडकेआई, कोलकाता, अभिविन्यास प्रशिक्षण के अपने सत्र के दौरान।

अभिविन्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान श्री सदानंद नस्कर, उप महालेखाकार, कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा), झारखंड, रांची।

अभिविन्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान श्री सतीश एम,उप महालेखाकार, कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा-II),पश्चिम बंगाल, कोलकाता।

अभिविन्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान आयोजित गतिविधियों में भाग लेते हुए प्रतिभागी।

आईटी लेखापरीक्षा सिद्धांत और अभ्यास

आईटी लेखापरीक्षा - सिद्धांत और व्यावहारिक मॉड्यूल सूचना प्रणालियों की अखंडता, गोपनीयता और उपलब्धता का मूल्यांकन सुनिश्चित करने में उपयोग किए जाने वाले सिद्धांतों, पद्धतियों और उपकरणों की व्यापक समझ प्रदान करता है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 16 जून 2025 से 24 जून 2025 तक आयोजित किया गया। इस पाठ्यक्रम में सैद्धांतिक अवधारणाओं के साथ-साथ व्यावहारिक अभ्यास भी शामिल थे, जो आईटी नियंत्रणों का आकलन करने, उनकी पहचान करने और संबंधित मानकों एवं विनियमों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक हैं। यह प्रशिक्षण प्रतिभागियों को आईटी लेखापरीक्षा की प्रभावी योजना बनाने, उसे क्रियान्वित करने और उस पर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए आवश्यक कौशल से लैस करता है, जिससे पारंपरिक लेखापरीक्षा और आधुनिक डिजिटल वातावरण के बीच के अंतर को पाटा जा सके।

इस कार्यक्रम को 9.4 की संतोषप्रद रेटिंग प्राप्त हुई, जो प्रतिभागियों की सहभागिता और प्रदान किए गए प्रशिक्षण की गुणवत्ता को दर्शाती है।

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा

श्री ए. के. राय, उप महालेखाकार, कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा-I), पश्चिम बंगाल, कोलकाता अपने प्रशिक्षण सत्र के दौरान।

टैली - ऑडिटर संस्करण पर प्रशिक्षण

टैली - ऑडिटर संस्करण व्यापक रूप से उपयोग किए जाने वाले टैली अकाउंटिंग सॉफ़्टवेयर का एक विशेष संस्करण है, जिसे लेखापरीक्षकों की विशिष्ट आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। यह लेखापरीक्षकों को शक्तिशाली उपकरणों से लैस करता है, जिनकी मदद से वे वित्तीय डाटा की समीक्षा, सत्यापन और विश्लेषण सटीकता के साथ कर सकते हैं। इसकी प्रमुख विशेषताओं में क्लाइंट डेटा तक सीधी पहुँच, सहज ऑडिट ट्रेल ट्रैकिंग और व्यापक अनुपालन जाँच शामिल हैं, जो लेखापरीक्षा प्रक्रिया को और अधिक सुव्यवस्थित तथा प्रभावी बनाती हैं।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 26 मई से 29 मई 2025 तक आयोजित किया गया, जिसका संचालन अनुभवी चार्टर्ड अकाउंटेंट्स द्वारा किया गया। सत्रों के दौरान कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई, जिनमें बैलेंस शीट और लाभ-हानि विवरण तैयार करना, प्रारंभिक शेषों का सत्यापन, खाते शेषों का विश्लेषण, ऑडिट जर्नल्स का अभिलेखन, विश्लेषणात्मक प्रक्रियाओं का अनुप्रयोग तथा विभिन्न नमूनाकरण विधियों का उपयोग आदि शामिल थे। प्रतिभागियों ने सत्रों में सक्रिय रूप से भाग लिया और टैली - ऑडिटर संस्करण का उपयोग करके अपनी लेखापरीक्षा कौशल को और सशक्त बनाने हेतु मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्राप्त की।

Dedicated to Truth in Public Interest

श्री देवर्षि भुवलका, चार्टर्ड अकाउंटेंट, टैली-ऑडिटर्स संस्करण के अपने सत्र के दौरान।

श्री ऋषि भुवलका, चार्टर्ड अकाउंटेंट, टैली-ऑडिटर्स संस्करण के अपने सत्र के दौरान।

अप्रैल से जून 2025 तिमाही के दौरान आयोजित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

सामान्य पाठ्यक्रम	से	तक
सीएफएस लेखापरीक्षा सहित वित्तीय सत्यापन लेखापरीक्षा	22.04.2025	25.04.2025
स्वायत्त निकायों खातों की लेखापरीक्षा	23.06.2025	26.06.2025

आईएस/आईटी पाठ्यक्रम	से	तक
पावर क्वेरी सहित एडवांस एमएस-एक्सेल	23.04.2025	29.04.2025
ओआईओएस में क्यूए/क्यूसी और लेखापरीक्षा उत्पादों का प्रसंस्करण	26.05.2025	27.05.2025
ई-ऑफिस	11.06.2025	11.06.2025

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

उपयोगकर्ता कार्यालयों की ओर से प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए तथा इन-हाउस प्रशिक्षण/बैठकों के संचालन के लिए उपयोगकर्ता कार्यालयों को बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराया गया।

अप्रैल से जून 2025 की अवधि के दौरान, कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा-II), पश्चिम बंगाल द्वारा निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनके लिए कार्यक्रम स्थान और लॉजिस्टिकल सुविधाएँ क्षेत्रीय क्षमता निर्माण और ज्ञान संस्थान, कोलकाता द्वारा प्रदान की गईं:

1. जीआईएस के माध्यम से ऑडिटिंग, दिनांक 09.05.2025
2. एमएस एक्सेल एडवांस्ड, दिनांक 09.05.2025
3. दिनांक 06.06.2025 को आयोजित सिंचाई और जलमार्ग विभाग द्वारा बाढ़ प्रबंधन क्षेत्र में की जाने वाली गतिविधियों पर इनहाउस प्रशिक्षण।

एसटीएम/केस स्टडीज/शोध पत्र और अन्य संबद्ध गतिविधियाँ।

संरचित प्रशिक्षण मॉड्यूल (एसटीएम):

पंचायती राज संस्थाओं के वित्तीय लेखापरीक्षा पर एसटीएम,

पंचायती राज संस्थाओं के वित्तीय लेखापरीक्षा पर एसटीएम को पियर समीक्षा के बाद अद्यतन किया गया और अप्रैल 2025 में मुख्यालय को प्रेषित किया गया। रेलवे के वित्त एवं विनियोग खातों के लेखापरीक्षा एसटीएम की भी पियर समीक्षा की गई है तथा प्राप्त टिप्पणियाँ/सिफारिशें वर्तमान में विचाराधीन हैं, जिनके आधार पर एसटीएम में संशोधन किया जा रहा है।

ई-शिक्षण मॉड्यूल:

संस्थान ने पंचायतों के लिए मॉडल लेखा प्रणाली और एमएस वर्ड पर ई- शिक्षण मॉड्यूल विकसित किए हैं ताकि डिजिटल शिक्षण पहलों का संरक्षण किया जा सके जिन्हें मुख्यालय कार्यालय को भेजा गया है।

केस स्टडीज/शोध पत्र:

"स्थानीय निकायों के लेखापरीक्षण में जीआईएस के प्रयोग" विषय पर शोध पत्र मुख्यालय को भेजा गया।

लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

उपयोगकर्ता कार्यालयों तथा भा.ले.व.ले.वि के बाह्य कार्यालयों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

क्षेत्रीय क्षमता निर्माण एवं ज्ञान संस्थान, कोलकाता के इन-हाउस संकाय सदस्यों ने विभिन्न कार्यालयों में प्रशिक्षण प्रदान किया। जिसका विवरण निम्नानुसार है:

- कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा-I), पश्चिम बंगाल
- कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा-II), पश्चिम बंगाल
- कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (एस.ई.आर), कोलकाता
- कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (ईआर), कोलकाता
- कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय, कोलकाता
- कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (कोयला), कोलकाता
- कार्यालय महालेखाकार (ले.व.ह), पश्चिम बंगाल
- कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय, कोलकाता, शाखा कार्यालय, पोर्ट ब्लेयर, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह
- कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय, कोलकाता, शाखा कार्यालय, गुवाहाटी, असम
- कार्यालय महानिदेशक, क्षेत्रीय क्षमता निर्माण एवं ज्ञान संस्थान, नागपुर
- कार्यालय महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), तमिलनाडु, चेन्नई

आरसीबीएंडकेआई, कोलकाता के संकाय सदस्य श्री राजीव कुमार साहु, आरसीबीएंडकेआई, नागपुर में आयोजित ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र के दौरान।

इस संस्थान में प्रशिक्षण प्रदान करने वाले संकाय सदस्य (भा.ले.व.ले.वि के अंतर्गत)
श्री अनिंद्य दासगुप्ता, महालेखाकार
श्री मोहम्मद सुहैल फ़ज़ल, उप निदेशक
श्री अवनींद्र कुमार राय, उप महालेखाकार
श्री सतीश एम., उप महालेखाकार
श्री सदानंद नस्कर, उप महालेखाकार
श्री राकेश कुमार सिन्हा, उप निदेशक
श्री आनंद जे जे एस, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी
श्री अशेश्वर महतो, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी
श्री देबातोष प्रमाणिक, वरिष्ठ लेखा अधिकारी
श्री देबदास बनर्जी, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी
श्री प्रोसेनजीत सेन, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी
श्री राणा देब, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी
श्री सौरभ कुमार नायक, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी
श्री शैलेन्द्र चौधरी, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी
श्री शिलाद्री कुमार ढोल, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी
श्री सुशोभन चटर्जी, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी
श्री विवेक कुमार शर्मा, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी
श्री विश्वजीत शाहा, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी

इस संस्थान में प्रशिक्षण प्रदान करने वाले संकाय सदस्य (भा.ले.व.ले.वि के अंतर्गत)
श्री समरेश रॉय (राम), वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी
श्री सोमेन्द्र कुमार शरण, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी
श्री गौरव कुमार ओमी, सहायक प्रशासनिक अधिकारी
श्री जॉयदीप मुखर्जी, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी
श्री सुप्रियो मुखर्जी, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी
श्री पार्थ सारथी दान, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी
श्री नीरज कुमार I, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी
श्री सुजीत शर्मा, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

इस संस्थान में प्रशिक्षण प्रदान करने वाले संकाय सदस्य

अन्य (केंद्रीय) भारत सरकार

श्री सुब्रत मित्रा, सहायक निदेशक, एनएसीआईएन

श्री सुब्रतो बनर्जी, वरिष्ठ लेखा अधिकारी, आईएनजीएएफ, कोलकाता

श्री लेफ्टिनेंट कर्नल विपुल शर्मा, लेफ्टिनेंट कर्नल, भारतीय सेना

श्री देवब्रत सेनगुप्ता, उप महाप्रबंधक, भारतीय रिज़र्व बैंक

श्री सिबब्रत पाल, उप महाप्रबंधक, भारतीय रिज़र्व बैंक

श्री धीमान चक्रवर्ती, वित्त नियंत्रक, एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता

भा.ले.व.ले.वि एवं अन्य सरकारी विभागों के सेवानिवृत्त अधिकारी

श्री विकास कुमार मोहंती, सेवानिवृत्त वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, भा.ले.व.ले.वि

श्री देबाशीष गुप्ता, (सेवानिवृत्त) सहायक निदेशक, एनएसीआईएन

श्री नवीन कुमार प्रजापति, सेवानिवृत्त वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा)

श्री गौतम दास गुप्ता, (सेवानिवृत्त) सहायक निदेशक, एनएसीआईएन

श्री सागरमय मंडल, व.ले.प.अ (सेवानिवृत्त), पूर्व रेलवे

स्वतंत्र/विशेषज्ञ संकाय सदस्यों दवारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया

श्री हेमंत कुमार पाल, आईटी विशेषज्ञ

श्री अरिजीत घोष, विशेषज्ञ प्रशिक्षक

श्री मानष बंद्योपाध्याय, आईटी विशेषज्ञ

सुश्री तरनजीत कौर चौहान, मुख्य सशक्तिकरण कोच, आईसीबीआई

श्री रविकुमार षणमुगम, विशेषज्ञ संकाय

श्री स्वामी वेदतीतानंद, संवाददाता, रामकृष्ण मिशन

श्री पुरंदर सेनगुप्ता, मास्टर ट्रेनर

सुश्री अजंता दे, संयुक्त सचिव एवं कार्यक्रम निदेशक, नेचर एनवायरनमेंट एंड वाइल्डलाइफ सोसाइटी

श्री राजर्षि मुखर्जी, पूर्व फैसिलिटेटर, आईसीएफएआई विश्वविद्यालय

सुश्री संजीना गुप्ता, संस्थापक और सीईओ, रंगीन खिड़की फाउंडेशन

इस संस्थान में प्रशिक्षण प्रदान करने वाले संकाय सदस्य (विशेषज्ञ/पेशेवर और भा.ले.व.ले.वि. से सेवानिवृत्त)
प्रोफेसर/वैज्ञानिक
डॉ. झुमा मुखोपाध्याय, आशुतोष कॉलेज, कलकत्ता विश्वविद्यालय
डॉ. दीपा मित्रा, एसोसिएट प्रोफेसर, आईआईएसडब्ल्यूबी
डॉ. पापिया उपाध्याय, सहायक प्रोफेसर, नेताजी सुभाष मुक्त विश्वविद्यालय
चार्टर्ड अकाउंटेंट
श्री अरिजीत चक्रवर्ती, चार्टर्ड अकाउंटेंट, एसोसिएट चार्टर्ड अकाउंटेंट्स
श्री देवर्षि भुवलका, चार्टर्ड अकाउंटेंट
सुश्री ऋतुंशा लालवानी, चार्टर्ड अकाउंटेंट
श्री ऋषि भुवलका, चार्टर्ड अकाउंटेंट
सुश्री दीक्षिता भोडिया, चार्टर्ड अकाउंटेंट
श्री ईशान तुलस्यान, चार्टर्ड अकाउंटेंट

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

इन-हाउस संकाय सदस्यों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया
श्री सुजय बनर्जी, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी
श्री उज्जल बोस, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी
श्री दीपक कुमार सिंह, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी
सुश्री पारिजात सैकिया, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी
श्री राजीव कुमार साहु, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी
श्री सनी पासी, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी
श्री बिजन पॉल, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी
सुश्री पुनम मालपानी, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी
श्री अरुणांग्शु मुखर्जी, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी
श्री चंदन कुमार, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

प्रश्नोत्तरी

1. निम्नलिखित में से कौन सा राजभाषा हिंदी को बढ़ावा देने का प्राथमिक उद्देश्य है?

क. क्षेत्रीय भाषाओं को प्रतिस्थापित करने हेतु
ख. भारत की विविध संस्कृतियों को एकीकृत करना
ग. अंग्रेजी के महत्व को कम करने के लिए
घ. तकनीकी क्षेत्रों में संचार को सरल बनाने के लिए

2. भारत में जीएसटी कब लागू हुआ?

क. जनवरी 1, 2016
ख. जुलाई 1, 2017
ग. अप्रैल 1, 2018
घ. अक्टूबर 1, 2019

3. निम्नलिखित में से कौन-सा एक सामान्य उपकरण है जिसका उपयोग आईटी ऑडिट में प्रणाली की कमजोरियों का आकलन करने के लिए किया जाता है?

क. स्प्रैडशीट सॉफ़्टवेयर
ख. भेद्यता स्कैनिंग उपकरण
ग. वर्ड प्रोसेसर
घ. प्रस्तुतिकरण सॉफ़्टवेयर

4. ग्लोबल वार्मिंग में मुख्य योगदान किस गैस का है?

क. ऑक्सीजन
ख. नाइट्रोजन
ग. कार्बन डाईऑक्साइड (CO_2)
घ. हाइड्रोजन

5. भारत का सबसे पुराना संग्रहालय, भारतीय संग्रहालय, किस शहर में स्थित है?

क. दिल्ली
ख. कोलकाता
ग. मुंबई
घ. चेन्नई

6. टैली ऑडिटर संस्करण का प्राथमिक उद्देश्य क्या है?

क. लेखांकन एवं सूची प्रबंधन
ख. लेखांकन डेटा का ऑडिट और सत्यापन
ग. भुगतान रजिस्टर संसाधन
घ. परियोजना प्रबंधन

7. रवींद्रनाथ टैगोर को किस वर्ष साहित्य का नोबेल पुरस्कार दिया गया था??

क. 1913
ख. 1921
ग. 1905
घ. 1910

8. एफआरबीएम एक्ट का पूर्ण रूप क्या है?

क. Financial Responsibility and Budget Management Act
ख. Fiscal Responsibility and Budget Management Act
ग. Fiscal Reform and Budgeting Measure Act
घ. Financial Reform and Banking Management Act

9. समय प्रबंधन तनाव कम करने में मदद करता है:

क. बढ़ता कार्यभार
ख. कार्यों के बेहतर संगठन और प्राथमिकता निर्धारण की अनुमति
ग. ज़िम्मेदारियों से बचना
घ. समय सीमा की अनदेखी

10. स्वायत्त निकायों पर सीएजी की रिपोर्टें सदन के समक्ष रखी जाती हैं।:

क संसद या राज्य विधानमंडल
ख. राज्य के उच्च न्यायालय
ग. केवल प्रधानमंत्री कार्यालय
घ. स्थानीय सरकारी प्राधिकारी

उत्तर पृष्ठ संख्या 31 पर दिया गया हैं।

प्रश्नोत्तरी के उत्तर

1. ख	6. ख
2. ख	7. क
3. ख	8. ख
4. ग	9. ख
5. ख	10. क

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA

लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा

Dedicated to Truth in Public Interest

क्षेत्रीय क्षमता निर्माण एवं ज्ञान संस्थान, कोलकाता

तीसरा एमएसओ बिल्डिंग, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, 5वीं मंजिल (ए विंग),डीएफ ब्लॉक,

सॉल्ट लेक, सेक्टर - I, कोलकाता - 700064

दूरभाष नंबर. 033- 23213907/6708

ईमेल: rtikolkata@cag.gov.in